सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

मूल्य ₹ 3/-

● वर्षः 10 ● अंकः 132 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 15 जून, 2024

हम भगवान को खोजने कहां जा सकते हैं, अगर हम उसे अपने इस दिल में नहीं ढूंढ सकते।

-स्वामी विवेकानंद

नीट घोटाला व्यापम 2.0 है जिसे... 7 | महाराष्ट्र में सतह पर आ रही राजग... 3 | अयोध्या ने भारत की राजनीति... 2

एनडीए सरकार के भविष्य पर उठने लगे सवाल

जेडीयू व बीजेपी ने किया जोरदार पलटवार

विपक्ष बोला- नहीं चल पाएगी मोदी की गठबंधन सरकार

- कांग्रेस अध्यक्ष के बयान से मचा सियासी बवाल
- कभी भी गिर सकती है एनडीए की अल्पमत सरकार : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की एनडीए सरकार ने काम करना शुरू कर दिया है। पर दूसरी तरफ उसके सहयोगी दलों व सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के बीच आपसी तकरार थमने का नाम नही ले रहा है। खासतौर से महाराष्ट्र में उसके साथी एकनाथ शिंदे की शिवसेना व अजित पवार की एनसीपी ने उसके खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। वहीं बिहार में भी दबी जुबान से लोग नीतीश के आंध्रप्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू के शपथ समारोह में न पहुंचने पर कहना शुरू कर दिया है कि सीएम नीतीश व भाजपा के बीच सब ठीक नहीं हैं।

उधर संघ के बयानों व नीट परीक्षा मामले में सहयोगी दल बीजेपी पर दबाव बना रहे हैं। विपक्ष भी हमलावर हो गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा मोदी की तीसरी बार की सरकार अल्पमत की है वह जल्द गिर जाएगी। वहीं कई अन्य नेताओं ने भी सरकार के भविष्य पर सवालिया निशान लगाना शुरू कर दिया है।

लोकसभा चुनाव के रिजल्ट आने के बाद कांग्रेस के हौसले मजबूत हो चुके हैं। भले ही एनडीए गठबंधन ने सरकार बना ली हो मगर आईएनडीआई. गठबंधन 234 सीटें जीतने में कामयाब रही। भाजपा को नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी के सहारे सरकार चलानी पड़ रही है। मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार और भाजपा पर निशाना साधा है। खरगे ने कहा कि एनडीए की सरकार कभी भी गिर सकती है। उन्होंने कहा, एनडीए सरकार गलती से बनी है। मोदी जी के पास जनादेश नहीं है। यह अल्पमत की सरकार है। यह सरकार कभी भी गिर सकती है। हम चाहते हैं कि यह चलती रहे। देश के लिए यह अच्छा हो। हमें देश को मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री की आदत है कि वो किसी चीज को चलने नहीं देते।

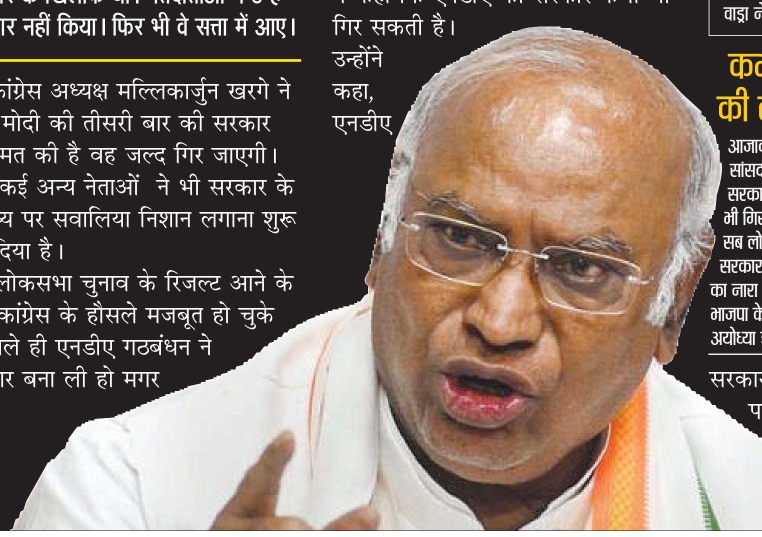

खरगे सही कह रहे हैं : आरजेडी नेता

आरजेडी प्रवक्ता एजाज अहमद ने खरगे के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा की खरगे सही कह रहे हैं! जनादेश मोदी सरकार के खिलाफ था। मतदाताओं ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। फिर भी वे सत्ता में आए।

सरकार ने शपथ लेते ही युवाओं के सपनों पर किया प्रहार : प्रियंका

नीट यूजी परीक्षा परिणाम लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। इस मामले को लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने नीट विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से सवाल किए। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भाजपा की नई सरकार ने शपथ लेते ही युवा के सपनों पर फिर से प्रहार शुरू कर दिया है। नीट परीक्षा परिणाम में गड़बड़ियों पर शिक्षा मंत्री का अहंकार भरा जवाब 24 लाख छात्रों एवं उनके अभिभावकों की चीख-पुकार को पूरी तरह से अनदेखी करता है।

कभी भी गिर सकती है केंद्र की लंगड़ी सरकार : चंद्रशेखर

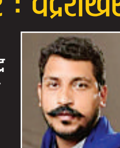

आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि केंद्र सरकार लंगड़ी सरकार है। कभी भी गिर सकती है। उसके हालात सब लोग जानते हैं कि कैसे सरकार बनाई गई है। 400 पार का नारा दिया था। 250 भी क्रॉस नहीं कर पाए। जनता भाजपा के खिलाफ है। यह पूरा चुनाव जनता ने लड़ा है। अयोध्या इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

कांग्रेस अब 99 के चक्कर में फंस गई : जेडीयू

खरगे के बयान पर बिहार के पूर्व सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री और जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार का जवाब आया। उन्होंने पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह की कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के स्कोरकार्ड के बारे में पूछा। उन्होंने पूछा कि क्या खरगे कांग्रेस की विरासत से अनभिज्ञ हैं। कांग्रेस अब 99 के चक्कर में फंस गई है। लोस चुनाव में भाजपा 240 सीटें जीतने में कामयाब रही। वहीं, कांग्रेस 99 सीटों पर जीत दर्ज की।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सीएम केजरीवाल की पत्नी को दिया आदेश

सोशल मीडिया से तुरंत हटाएं सुनवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को शराब नीति से जुड़े मामले में अदालती सुनवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया मंच से हटाने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि 28 मार्च को दिल्ली हाई कोर्ट में आबकारी नीति मामले में से जुड़ी सुनवाई हुई थी, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग की गई थी। यह वीडियो रिकॉर्डिंग सुनीता केजरीवाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर शेयर की थी।

हाई कोर्ट ने शनिवार को सुनीता केजरीवाल को आदेश दिया है कि ये वीडियो हटाएं। वीडियो में देखा जा सकता है कि आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल एक ट्रायल कोर्ट को संबोधित करते नजर आ रहे हैं। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा और अमित शर्मा की बेंच ने आदेश सुनाया।

सीएम को राहत दी जाए या नहीं इससे ईडी का लेना-देना नहीं : कोर्ट

राउज एवन्यू कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल की उस याचिका पर तिहाड़ जेल प्रशासन से जवाब मांगा है, जिसमें उनके स्वास्थ्य और उपचार का निर्धारण करने के लिए गठित मेडिकल बोर्ड में पत्नी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये शामिल होने देने की अनुमति मांगी गई है। कोर्ट ने इस मामले में जवाब दाखिल करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दलील को खारिज करते हुए कहा कि केजरीवाल न्यायिक हिरासत में हैं।

अकबरनगर में आज भी चला बुलडोजर

विरोध करने आए लोगों पर बल का प्रयोग

- चिलचिलाती गर्मी में बिजली काटी, परेशान होकर निकले लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ अकबरनगर प्रथम में कार्रवाई के दूसरे दिन एलडीए व जिला प्रशासन की टीम ने 165 अवैध निर्माण जमींदोज किए और शनिवार सुबह फिर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हो गई। इस दौरान कुछ लोग विरोध करने आए तो उन्हें सुरक्षा बलों ने भगा दिया।

कुछ लोग मकान नहीं खाली कर रहे थे। प्रशासन के कई बार कहने पर भी इन्होंने सामान नहीं निकाला तो इनके मकानों की बिजली काट दी गई। बिजली-पानी की आपूर्ति बंद होने पर सभी मकान खाली करने लगे। विस्थापितों को बसंत कुंज योजना के प्रधानमंत्री आवास में शिफ्ट कराया जा रहा है। अकबर नगर प्रथम व द्वितीय में अब तक कुल 614 अवैध निर्माण ध्वस्त किए जा चुके हैं। इस अभियान में 15 पोकलेन मशीन, 12 जेसीबी और 15 वाटर टैंक लगाए गए हैं। सुबह सात से दोपहर दो बजे तक और फिर तीन बजे से रात आठ बजे तक कार्रवाई चल रही है।

आवंटित मकानों में विकास कार्य अधूरे

अकबरनगर के 79 आवंटियों को प्रधानमंत्री आवास का कब्जा दिया गया। हालांकि अभी वहां पर विकास कार्य अधूरे हैं। लोगों को कहना है कि उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अब तक 971 आवंटियों को कब्जा दिया जा चुका है। इसके अलावा 1800 अध्यासियों को प्रधानमंत्री आवास आवंटित किए गए हैं और सभी लोगों को आवंटन पत्र दिया जा चुका है।

अयोध्या ने भारत की राजनीति को बदलने का काम किया : अखिलेश

» सपा अध्यक्ष बोले- सपा की जीत नफरत की हार है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव ने भारत की राजनीति को बदलने का काम किया है। अयोध्या के लोकसभा क्षेत्र फैजाबाद से सांसद अवधेश प्रसाद की जीत से जनता ने नफरत की राजनीति को खत्म कर दिया है। उसने पूरे देश को संदेश देने का काम किया है। अखिलेश बोले कि हमें अभी से 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाना है।

अखिलेश यादव को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में बड़ी संख्या में बाहर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं, नेताओं, विधायकों और नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव में जनता ने भाजपा का अहंकार तोड़ा है। एनडीए नकारात्मक (निगेटिव) गठबंधन साबित हुआ, जबकि पीडीए प्रगतिशील (प्रोगेसिव) गठबंधन रहा। इस अवसर पर यशभारती सम्मानित पंडित हरिप्रसाद मिश्रा ने अखिलेश यादव को स्वास्तिवाचन के साथ रक्षा सूत्र बांधा। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव, पूर्व विधानसभाध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय, राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी, सनातन पांडेय, शाहिद मंजूर, जासमीर अंसारी, शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली आदि मौजूद रहे।

अखिलेश-डिंपल की जोड़ी बनाएगी इतिहास

लोकसभा चुनाव में नए कीर्तिमान बनाने वाली समाजवादी पार्टी के हाथ एक अनूठी उपलब्धि लगी है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उनकी पत्नी डिंपल यादव मौजूदा लोकसभा में यूपी से एक साथ सांसद पहुंचने वाले पहले दंपती होंगे। इस बार लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव कन्नौज, जबकि डिंपल यादव मैनपुरी से सांसद निर्वाचित हुई हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के विधानसभा इस्तीफे के बाद देश की संसदीय राजनीति में नया इतिहास जुड़ गया है। 2024 में सदन में पति-पत्नी की इकलौती जोड़ी के रूप में डिंपल और अखिलेश संसद में नजर आएंगे। हालांकि, इससे पहले भी संसद में पति-पत्नी की जोड़ी पहुंची। इस बार के चुनाव में ये कारनामा सैफई परिवार ने किया है। लोकसभा के आगामी सत्र में सांसदों की शपथ के साथ ही अखिलेश और डिंपल के नाम ये रिकार्ड दर्ज हो जाएगा। उत्तर प्रदेश से एक साथ लोकसभा पहुंचने वाले दंपती के परिवार के तीन अन्य सदस्य भी सांसद निर्वाचित हुए हैं।2019 के चुनाव में अखिलेश यादव आजमगढ़ से लोकसभा सदस्य बनने में कामयाब हुए थे, लेकिन डिंपल यादव को कन्नौज में पराजय झेलनी पड़ी थी। इस बार मैनपुरी संसदीय क्षेत्र से बड़ी जीत हासिल कर संसद पहुंची डिंपल यादव और अखिलेश की जोड़ी सदन की कार्रवाई के दौरान चर्चा का केंद्र रहेगी।

पहले भी निर्वाचित होते रहे हैं पति-पत्नी

संसदीय इतिहास में इससे पहले भी पति-पत्नी सदन में रहे हैं। बिहार के सांसद पप्पू यादव और उनकी पत्नी 2004 और 2014 में एक साथ निर्वाचित होकर लोकसभा पहुंचे थे। इस बार भी पप्पू यादव लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए है। जबकि उनकी पत्नी कांग्रेस की राज्यसभा सांसद हैं। अभिनेता धर्मेंद्र और हेमा मालिनी भी एक ही कार्यकाल में अलग-अलग सदनों के सदस्य रह चुके हैं।

धर्म को राजनीति से दूर रखें, बुनियादी मुद्दों पर हो बात : चंद्रशेखर आजाद

अयोध्या। नगीना लोकसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद चंद्रशेखर आजाद अयोध्या पहुंचे। उन्होंने कहा कि अयोध्या लोकसभा चुनाव में अयोध्यावासियों ने बहुत बड़ा काम किया है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि धर्म अब राजनीति से दूर रहे, तो ज्यादा अच्छा है क्योंकि अब बुनियादी मुद्दों पर बात होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि रोजगार और महंगाई पर बात होनी चाहिए। धर्म आदमी का व्यक्तिगत अधिकार है, कोई किसी धर्म में आस्था रखे। चाहे हिंदू, इस्लाम, ईसाई, सिख और जैन धर्म राजनीति में न लाया जाए, तो बहुत अच्छा होगा। इससे जनता के मुद्दों पर बात हो सकेगी।

अपने बयान से पलटे आएसएस नेता इंद्रेश कुमार

» बोले- पीएम मोदी दुगनी और रात चौगुनी तरक्की करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। आरएसएस प्रचारक इंद्रेश कुमार ने कहा है कि देश नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में दिन दुगनी और रात चौगुनी तरक्की करे। इससे पहले गुरुवार को इंद्रेश कुमार ने जयपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि लोकसभा चुनावों में अहंकार के कारण बीजेपी 241 तक ही पहुंच पाई थी।

गुरुवार को उन्होंने बीजेपी नेताओं को अहंकारी बताते हुए कहा था कि बीजेपी के अहंकार के चलते भगवान राम ने उन्हें 241 पर ही रोक दिया है। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगी दल के नेता और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि उन्हें इसमें खुश रहने दें। राम ने हमें काम करने के लिए बहुमत दिया है। इंद्रेश कुमार ने अयोध्या से बीजेपी प्रत्याशी लल्लू सिंह की हार पर भी तंज कसते हुए उन्हें अत्याचारी बताया था। उन्होंने कहा था कि लल्लू सिंह ने जनता पर जुल्म किए थे तो रामजी ने कहा कि 5 साल आराम करो, अगली बार देख लेंगे। राम भेदभाव नहीं करते हैं, राम सजा नहीं देते हैं। राम किसी का बिगाड़ नहीं करवाते हैं। राम सबको न्याय देते हैं। देते रहे थे और देते रहेंगे। राम सदा न्याय प्रिय थे और रहेंगे।

मायावती को सौंपी गई बसपा की हार की रिपोर्ट

» लोकसभा में शून्य सीटों पर आई बसपा ने बैठाई जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद बसपा अब आत्ममंथन के मूड में है। बसपा को बीते लोकसभा चुनाव में यूपी की 80 सीटों में से कोई सीट नहीं मिली थी। 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में भी उसे सिर्फ एक सीट मिली थी।

लोकसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त की रिपोर्ट बसपा सुप्रीमो मायावती को सौंप दी गयी है। पार्टी के जोनल कोआर्डिनेटर और जिलाध्यक्षों द्वारा सौंपी गयी रिपोर्ट का अध्ययन किया जा रहा है।

आकाश आनंद भी लेंगे बैठक में हिस्सा

सूत्रों की मानें तो बसपा सुप्रीमो जल्द ही यूपी समेत कई प्रदेशों के पदाधिकारियों को तलब करने की तैयारी में हैं, जिनके साथ चुनाव नतीजों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में बसपा के पूर्व नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार समेत सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

बिहार में इंसान की जान की कोई कीमत नहीं : तेजस्वी

» डबल इंजन सरकार के बनावटी मंगलराज से डरे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से नीतीश सरकार पर हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने सिलसिलेवार ढंग से वारदातों का जिक्र करते हुए एनडीए सरकार को घेरने की कोशिश की है। तेजस्वी ने लिखा है कि बिहार में डबल इंजन सरकार के बनावटी मंगलराज में चंद घंटों की डरावनी झलकियाँ। बिहार में इंसान की जान की क़ीमत नहीं। जब चाहे जहां चाहे सरकारी अपराधी किसी को भी गोली मार रहे है। मुख्यमंत्री सहित सरकार को सत्ता संरक्षित आपराधिक घटनाओं पर कोई लेना-देना नहीं।

तेजस्वी ने गिनाए वारदात- बेगूसराय में सरकारी अपराधियों का तांडव- बलात्कार के बाद युवती की हत्या! मुजफ्फरपुर में सरकारी अपराधी बेलगाम- युवक को दिनदहाड़े गोली मारी! पूर्णिया में बमबाजी और डकैती की बड़ी वारदात- सत्ता संरक्षित बदमाशों ने बमबारी एवं ताबड़तोड़ फायरिंग कर एक साथ चार घरों में डाका डाल लाखों की लूट-खसोट की। अरवल जिले में छुट्टी पर घर आए जवान की पीट-पीटकर हत्या! सिवान में बीच सड़क गुंडों ने छात्र की गोली मारकर हत्या की। नवादा में बेखौफ सरकारी अपराधियों ने गोली मार मुखिया का किया मर्डर।मधेपुरा में छात्रा से छेड़खानी रोकने पर बदमाशों ने राजद नेता को गोली मारी। बख्तियारपुर में गोली मार युवक की हत्या। शाहपुर में युवक की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या की। पटना में कारोबारी से लूट। महिला से चैन छिनी।

अस्पताल पहुंचे सीएम नीतीश कुमार, ऑर्थो डिपार्टमेंट में इलाज करवा रहे

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार सुबह अचानक पटना सबसे बड़े प्राइवेट अस्पताल पहुंच गए। वह ऑर्थो डिपार्टमेंट में अपना इलाज करवा रहे हैं। बताया जा रहा है कि सुबह उठते ही सीएम नीतीश कुमार को हाथ में काफी दर्द महसूस होने लगा। इसके बाद अपने चिकित्सक से उन्होंने परामर्श लिया और प्राइवेट अस्पताल पहुंच गए। सीएम नीतीश ठीक हैं। ऑर्थो डिपार्टमेंट के सीनियर डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं।

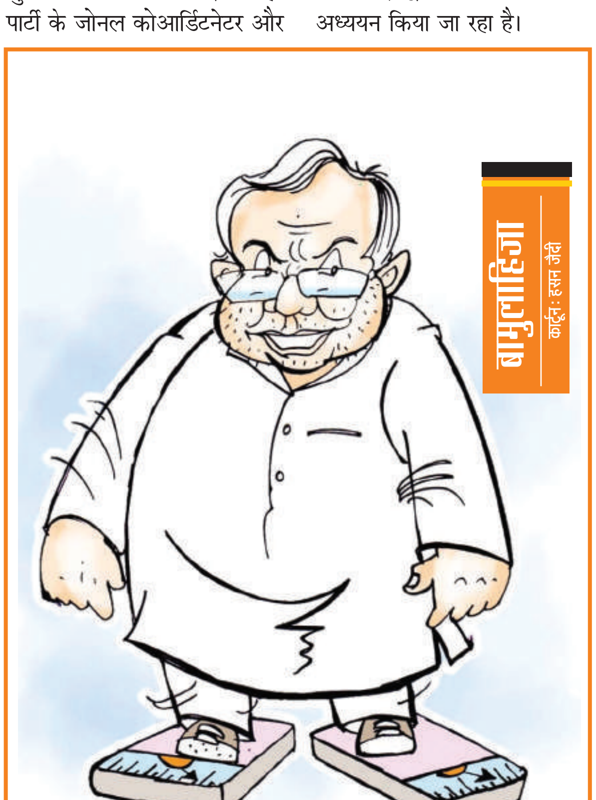

अयोध्या में विकास नहीं जातिवाद ने चुनाव जीता : साक्षी महाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में भाजपा के सात बार से सांसद स्वामी साक्षी महाराज को धर्म नगरी वृंदावन पहुंचे। यहां पर परिक्रमा मार्ग स्थित अपने आश्रम पर साक्षी महाराज ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मुझे भगवान बांकेबिहारी, राधारानी, श्रीराम और ब्रजवासियों का आशीर्वाद मिला है।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले मथुरा से चुनाव जीता और फिर लगातार बड़े-बड़े नेताओं की जमानत जब्त कराकर सात बार सांसद बना, जोकि किसी अदृश्य शक्ति की कृपा मुझ पर है, वहीं उन्होंने अयोध्या से भाजपा की हार पर बोला कि मैं समझता हूं अयोध्या पर विकास नहीं जातिवाद ने चुनाव जीता है, जबकि वहां पांच विधानसभा हैं, लेकिन शहर अयोध्या में हम जीते हैं। सपा प्रत्याशी का जातिगण वोट ज्यादा होने के कारण ग्रामीण इलाकों में उनकी जीत होना चिंता की बात है। जबकि वहां प्रधानमंत्री मोदी ने विकास कार्य तेजी से किए, एयरपोर्ट बना, श्रीराम मंदिर बना, सड़क और मार्केट बने, मगर फिर भी जिन्होंने सरयू में खून बहाया उनकी जीत हुई और रामभक्त कार सेवक हार गए। यह आश्चर्य की बात है समाज और हिंदुत्व की बात करने के साथ हमारी पार्टी के लिए भी। वहीं श्रीकृष्ण जन्मभूमि और ईदगाह विवाद को लेकर कहा कि जैसे अयोध्या में राममंदिर बना है, वैसे ही मथुरा में श्रीकृष्ण का भव्य मंदिर बनेगा। जन्मभूमि के हित में कोर्ट भी फैसला देगी।

महाराष्ट्र में सतह पर आ रही राजग की तकरार

पवार, एकनाथ के बाद भुजबल भी बीजेपी पर बरसे

- » राज ठाकरे ने भी बढ़ाई राजग की मुश्किलें
- » भुजबल बोले- एनसीपी को कुछ कहने से पहले भाजपा को यूपी भी देखना चाहिए
- » एनसीपी का बचाव, भाजपा पर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में नई सरकार बनने के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। एनसीपी द्वारा मंत्रिमंडल में शामिल होने से इनकार करने के बाद एकनाथ शिदें शिवसेना द्वारा भाजपा के 4 सौ पार के नारे पर सवालिया निशान जगाने के बाद पवार, राउत व भुजबल ने भी तीखे प्रहार किए है। उधर भाजपा और एनसीपी में जुबानी जंग छिड़ गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री के पद का ऑफर ठुकराने के बाद अब एनसीपी नेता भाजपा पर ही हमलावर है। महाराष्ट्र के मंत्री और एनसीपी नेता छगन भुजबल ने लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें कम होने पर हमला बोला है।

भुजबल ने कहा कि महाराष्ट्र में एनसीपी को दोष देने से पहले यूपी भी देखना होगा। छगन भुजबल ने आरएसएस के नजदीकी माने जाने वाले साप्ताहिक पत्रिका ऑर्गनाइजर में छपे एक लेख पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। लेख में एनसीपी के साथ गठबंधन करने के लिए भाजपा की आलोचना की गई थी। भुजबल ने कहा कि कुछ हद तक तो लेख सही है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण जैसे कांग्रेस नेताओं को शामिल करने के लिए भाजपा की आलोचना सही है। एनसीपी नेता ने कहा, लोकसभा चुनाव में हमें 48 सीटों में से सिर्फ 4 सीटें दी गईं। उन 4 सीटों में से 2 हमसे छीन ली गईं। तो, इन 2 सीटों, रायगढ़ और बारामती में से हमने 1 सीट जीती। अब कोई कैसे कह सकता है कि हमने 48 सीटों पर चुनाव लड़ा, हमें सिर्फ 2 सीटें मिलीं। उन्होंने कहा कि भाजपा उत्तर प्रदेश जैसे दूसरे राज्यों में भी हारी। किसी ने नहीं सोचा था कि बीजेपी को उत्तर प्रदेश में इतनी कम सीटें मिलेंगी। इसलिए, अजित पवार गुट को दोष देना सही नहीं है।

राज ठाकरे ने महायुति के माथे पर लाया बल

एनसीपी नेता अजीत पवार को साथ में लेने पर आरएसएस के मुखपत्र की टिप्पणी से लगी आग को ठंडा करने में जुटे महायुति के नेताओं के सामने राज ठाकरे ने नई चुनौती खड़ी कर दी। शुक्रवार सुबह राज ठाकरे को जन्मदिन की बधाई देने गए बीजेपी नेता और महायुति कोर्डिनेशन कमिटी के संयोजक प्रसाद लाड ने इसे एमएनएस का अपना फैसला बताया है लेकिन ये भी कहा है कि महायुति में सीटों के बंटवारे पर देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे,अजीत पवार और बीजेपी के केंद्रीय मंत्री अमित शाह फैसला करेंगे।

2019 के चुनाव में शिवसेना को मनसे से मिली टक्कर

राज ठाकरे ने साल 2006 में एमएनएस की स्थापना की थी, उसके बाद साल 2009 में हुए विधानसभा चुनाव में एमएनएस ने 13 सीटें जीतकर उद्धव ठाकरे की शिवसेना को कड़ी टक्कर दी थी। हालांकि साल 2019 के विधानसभा चुनाव में एमएनएस का सिर्फ एक विधायक ही जीत कर आया पाया. लेकिन राज्य भर में उसे मिले तकरीबन दो फीसदी मतों ने दूसरे दलों के उम्मीदवारों के हार जीत पर असर डाला था। यही वजह है कि इस बार बीजेपी और बीजेपी की मदद से उद्धव की सरकार गिराकर खुद मुख्यमंत्री बन बैठे एकनाथ शिंदे राज ठाकरे को अपने साथ ले आए थे।

राज ठाकरे ने अकेले विधानसभा चुनाव लड़ने का किया ऐलान

लोकसभा चुनाव में बुरे नतीजों के झटके से उबरने की कोशिश में जुटी महायुति घटक दल की पार्टियों को अब एक और बड़ा झटका लगा है।

लोकसभा चुनाव में इस बार महायुति को समर्थन करने वाली एमएनएस पार्टी ने अपने बल पर विधान सभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। बांद्रा के रंग शारदा सभा गृह में पार्टी ने राज ठाकरे को फिर से अपना अध्यक्ष चुना. इस अवसर पर बोलते हुए राज ठाकरे ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में गठबंधन करने के लिए किसी और पार्टी के पास सीट मांगने नही जायेंगे। राज ठाकरे ने कार्यकर्ताओं और नेताओं से आने वाले विधानसभा चुनाव में 200 से 225 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटने का आदेश भी दिया, रंगशारदा में राज ठाकरे ने जब ये कहा तब पूरा हाल तालियों से गूंज उठा। जाहिर है राज ठाकरे की इस घोषणा ने एमएनएस के कार्यकर्ता, नेताओं में जोश भर दिया है। लेकिन महायुति के लिए ये एक बड़ा झटका है। इस बार के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में सिर्फ 17 सीटों पर सिमट चुकी महायुति के नेता अभी हार की समीक्षा में जुटे हैं।

लोकसभा चुनाव में महायुति का खराब प्रदर्शन

हालांकि एमएनएस के नेताओं का दावा है कि उनकी पार्टी ने इस बार के लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी को समर्थन जरूर दिया था लेकिन वो महायुति में शामिल नही हुई थी. इसलिए राज ठाकरे ने अपना फैसला खुद लिया है. इस बार के लोकसभा चुनाव में महायुति के घटक दल बीजेपी को 9 , एकनाथ शिंद की शिवसेना को 7 तो अजीत पवार की एनसीपी को सिर्फ 1 सीट पर ही जीत मिली। जबकि महाविकास में शामिल कांग्रेस को 13, शरद पवार की एनसीपी को 8 और उद्धव ठाकरे की शिवसेना को 9 सीटें मिली है। ये तब हुआ है जब एमएनएस के मराठी वोट महायुति को मिले हैं अगर वो भी बंट जायेंगे तो महायुति को और नुकसान होना लाजिमी है।

एनडीए सरकार में कई मंत्री हैं अपराधी!

- » नए मंत्रिमंडल में 28 पर क्रिमिनल केस
- » 19 के खिलाफ हत्या जैसे गंभीर मामले दर्ज
- » एडीआर की रिपोर्ट्स में खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की नई सरकार ने काम करना शुरू कर दिया है। चुनाव आयोग ने अब लगभग जीते हुए प्रत्याशियों से संबंधित आकड़ें भी जारी कर दिए है। ये आंकडे आए है उसमें बीजेपी की वाशिंग मशीन में धुले लोगों की केस हिस्ट्री भी उजागर हो गइ हैं। नए मंत्रिमंडल में 28 पर क्रिमिनल केस, 19 के खिलाफ गंभीर मामले दर्ज हैं। सबसे गंभीर आरोपों का सामना करने वालों में बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और शिक्षा और उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार शामिल हैं।

दोनों ने भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत हत्या के प्रयास से संबंधित मामलों की घोषणा की है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले तीसरे मंत्रिमंडल की संरचना के संबंध में शुरुआती निष्कर्षों का खुलासा किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 28 मंत्री आपराधिक मामलों में फंसे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से 19 मंत्रियों पर हत्या के प्रयास से लेकर महिलाओं के खिलाफ अपराध और नफरत फैलाने वाले भाषण जैसे गंभीर आरोप हैं। सबसे गंभीर आरोपों का सामना करने वालों में बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और शिक्षा और उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार शामिल हैं। दोनों ने भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत हत्या के प्रयास से संबंधित मामलों की घोषणा की है।

99 प्रतिशत नए मंत्री करोड़पति

एडीआर रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नए मंत्रिपरिषद में 71 में से सत्तर मंत्री करोड़पति हैं और उनकी औसत संपत्ति 107.94 करोड़ रुपये है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने कहा कि मंत्रियों में से छह ने अपनी विशेष रूप से उच्च संपत्ति की घोषणा की है, जिनमें से प्रत्येक ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति की घोषणा की है। ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री और संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी 5705.47 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति की घोषणा के साथ सूची में शीर्ष पर हैं। उनकी संपत्ति में 5598.65 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 106.82 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल है। नए मंत्रियों में करीब 99 फीसदी करोड़पति हैं। विश्लेषण किए गए 71 मंत्रियों में से 70 ने अपनी संपत्ति करोड़पति श्रेणी में घोषित की है, जो देश के राजनीतिक नेतृत्व के बीच संपत्ति के एक महत्वपूर्ण संकेंद्रण को उजागर करता है। रिपोर्ट, जो इन मंत्रियों का विस्तृत वित्तीय अवलोकन प्रदान करती है, बताती है कि उनके बीच औसत संपत्ति 107.94 करोड़ रुपये है। यहां यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 71 मंत्रियों के साथ 9 जून को शपथ ली थी क्योंकि दो पूर्ण कार्यकालों के बाद नई गठबंधन सरकार बनी थी जिसमें भाजपा को अपने दम पर बहुमत प्राप्त था।

पांच मंत्रियों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले लंबित

इसके अलावा, एडीआर की जांच एक और परेशान करने वाले आंकड़े पर प्रकाश डालती है। पांच मंत्रियों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले लंबित हैं। वे गृह राज्य मंत्री (राज्य मंत्री) बंदी संजय कुमार, ठाकुर, मजूमदार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी और जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम हैं। इसके अतिरिक्त, एडीआर रिपोर्ट में नफरत फैलाने वाले भाषण से संबंधित मामलों वाले आठ मंत्रियों की पहचान की गई है। इसमें कहा गया है कि 71 में से कुल 28 मंत्रियों (39 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। 9 जून को शपथ लेने वाली नई मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित 72 सदस्य हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

अन्नदाताओं को मिलना चाहिए उचित सम्मान

> हालांकि अब वक्त बदल गया है लेकिन किसान और खेती के बारे में धारणा अब भी पूर्ववत ही कायम है। साइकिल की जगह भले ही दोपहिया वाहन ले चुका है, जिसे अब कार द्वारा बदला जा चुका है, ऊपरी तबके में किसानों के पास कई बार शानदार मॉडल भी होते हैं, लेकिन एक पेशे के रूप में खेती के बारे में आमजन की सोच में बहुत बदलाव नहीं आया है।

केंद्र की नई एनडीए सरकार का मंत्रिमंडल बन गया है। कृषि का अहम मंत्रालय बीजेपी ने अपने पास रखा है। इसका मंत्री मप्र के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान को बनाया गया है। लोगों को उम्मीद है कि वह अपने कार्यकाल में किसानों की समस्याओं का समाधान तो करेंगे ही उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत भी करेंगे और उनका सम्मान भी बढ़वाएंगे। हालांकि कुछ लोग संशकित भी है कहीं बीजेपी पिछली सरकार की तरह ही किसानों को नजर अंदाज न कर दें। हालांकि नए कृषि मंत्री ने संकेत दिए हैं कि वह अन्नदाताओं की हर समस्या का समाधान उनसे चर्चा करके करेंगे।

दरअसल, आमजन की कल्पना में, किसान एक सादी पोशाक पहनता है, अक्सर एक मैला कुर्ता व धोती पहनता है और टूटी-टांके लगी धूल-धूसरित जूती पहनकर चलता है। उम्मीद रहती है कि आने-जाने के लिए ज्यादा से ज्यादा साइकिल इस्तेमाल करता है, और जब भी आप उसे दोपहिया वाहन चलाते हुए देखते हैं, तो अक्सर भौंहें तन जाती हैं। हालांकि अब वक्त बदल गया है लेकिन किसान और खेती के बारे में धारणा अब भी पूर्ववत ही कायम है। साइकिल की जगह भले ही दोपहिया वाहन ले चुका है, जिसे अब कार द्वारा बदला जा चुका है, ऊपरी तबके में किसानों के पास कई बार शानदार मॉडल भी होते हैं, लेकिन एक पेशे के रूप में खेती के बारे में आमजन की सोच में बहुत बदलाव नहीं आया है। ग्रामीण-शहरी विभाजन का प्रतिबिंब, खेती अभी भी शहरी हाशिये पर बनी हुई है। मिसाल के तौर पर, यदि कोई किसान शहरी दायरे में प्रवेश करने की कोशिश करता है, तो उसे अभी भी नापसंद किया जाता है, और यहां तक कि खान-पान के तौर-तरीके अपनाता है, जिसमें मिसाल के तौर पर पिज्जा खाना भी शामिल है। इसके अलावा, ऐसे समय में जब एक घरेलू सहायिका को अपने कार्यस्थल तक जाने को स्कूटी चलाते हुए देखना असामान्य नहीं है, एक किसान द्वारा ट्रैक्टर पर महंगे म्यूजिक सिस्टम का उपयोग करना मंजूर नहीं है। अभी हाल में किसानों ने जब भारत सरकार के खिलाफ आंदोलन किया था उसे भी गलत ही बताया गया था जबकि वह अपनी जायज मांगे कर रहे थे। असल में, खेती एक दोयम दर्जा शब्द बन गया है। किसानों के प्रति इतनी गहरी उदासीनता है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी किसानों पर सवाल उठाने वाले प्रबल वृत्तांत के साथ ही तिरस्कार और अवमानना का भाव भी सामने आता है। विरोध कर रहे किसानों पर लगातार अपमानजनक शब्द कहे जा रहे हैं और मुख्यधारा के माध्यमों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी अपमानजनक टिप्पणियां कृषक समुदाय के खिलाफ व्याप्त कुंठा के भावों का प्रतिबिंब हैं। उम्मीद की जा रही है कि इसबार नई सरकार अन्नदाताओं को विशेष सम्मान देगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रोजगार बढ़ाने को वरीयता दे नयी सरकार

जयंतीलाल भंडारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नयी एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है। फ्रांस के कॉर्पोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति वर्क फोर्स में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होंगी। जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में से 83 फीसदी बेरोजगार युवा थे। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारत की कुल श्रम शक्ति की भागीदारी दर मात्र 58 प्रतिशत है, जो भारत के एशियाई समकक्ष देशों की तुलना में बहुत कम है। पिछले दस वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में कम बहुत हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों के अनुसार भारत के शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई है, जो इसके पहले की तिमाही में 6.5 प्रतिशत थी। शहरी बेरोजगारी पिछली चार तिमाही के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। 15 साल से अधिक उम्र में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च, 2023 की तिमाही के 6.8 प्रतिशत के बाद सर्वाधिक है। सर्वेक्षण के अनुसार युवा बेरोजगारी स्तर बढ़ा है और यह बीती तिमाही के 16.5 प्रतिशत से बढ़कर चौथी तिमाही में 17 प्रतिशत हो गया। अब नयी सरकार द्वारा देश में असंगठित सेक्टर लघु एवं मध्यम उद्योगों और गिग वर्कर्स की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना होगा।

जून, 2022 में प्रस्तुत नीति आयोग की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के 77 लाख लोग इस समय गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं। अनुमान है कि 2029-30 तक इनकी संख्या 2.35 करोड़ हो जाएगी। गिग वर्कर्स के लिए बड़ी

समस्या नौकरी जाने का खतरा और प्रोविडेंट फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलना है। देश में रोजगार के मद्देनजर महिलाओं की स्थिति भी अच्छी नहीं है। नैसकॉम के मुताबिक भारत के प्रौद्योगिकी कार्यबल में केवल 36 फीसदी महिलाएं हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों में महिलाओं की भागीदारी केवल 14 फीसदी है। नि:संदेह, पिछले 10 वर्षों में जिस तरह नई पीढ़ी द्वारा स्वरोजगार के मौके मुट्ठी में लिए जा रहे हैं, उनकी रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। एक शोध के अनुसार पिछले वर्षों में ऋण-आधारित हस्तक्षेपों और सरकार-आधारित हस्तक्षेपों का अध्ययन किया है। जहां ऋण-आधारित हस्तक्षेपों ने प्रतिवर्ष औसतन 3.16 करोड़ रोजगार जोड़े हैं, वहीं सरकार-आधारित हस्तक्षेपों से प्रतिवर्ष 1.98 करोड़ रोजगार पैदा हुए हैं। सामान्यतया एक लोन पर औसतन 6.6 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए हैं। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि सूक्ष्म कर्ज का इस्तेमाल स्थिर और टिकाऊ रोजगार सृजन के लिए किया जा रहा है। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएमए-जी, पीएलआई, पीएमएवाई-यू, और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक पिछले दस वर्षों में ऋण अंतराल यानी जीडीपी के अनुपात में कर्ज के अंतर में 12.1 प्रतिशत की गिरावट आई है। नि:संदेह, नयी पीढ़ी को उच्च गुणवत्ता के नए कौशल के साथ सुसज्जित किया जाना होगा।

खासतौर से डिजिटल इकोनॉमी के तहत ई-कॉमर्स, बैंकिंग, मार्केटिंग, ट्रांजेक्शन, डेटा एनालिसिस, साइबर सिक्योरिटी, आईटी, टूरिज्म, रिटेल ट्रेड, हॉस्पिटेलिटी, डेटा साइंस, कंटेंट क्रिएशन, ब्लॉकचेन मेटावर्स, नेटवर्किंग, रिलेशनशिप बिल्डिंग, डिजिटल लिटरेसी, इमोशनल इंटेलिजेंस ग्रोथ और क्रिटिकल थिंकिंग से जुड़े रोजगार अवसर तेजी से बढ़े हैं। नए स्टार्टअप्स से युवाओं के लिए लाखों रोजगार के मौके बन रहे हैं। देश की नई प्रतिभाशाली पीढ़ी के बल पर देश स्टार्टअप और सॉफ्टवेयर से लेकर स्पेस जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सामर्थ्यवान देश के रूप में उभर रहा है। अब भाजपा के तीसरे कार्यकाल में देश में वैश्विक क्षमता केंद्रों की (जीसीसी) स्थापनाओं की रफ्तार तेजी से बढ़ाकर नए तकनीकी कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अधिक मौके सृजित करने की डगर पर आगे बढ़ना होगा।

संसद में दागी नेताओं की संख्या बढ़ना चिन्ताजनक

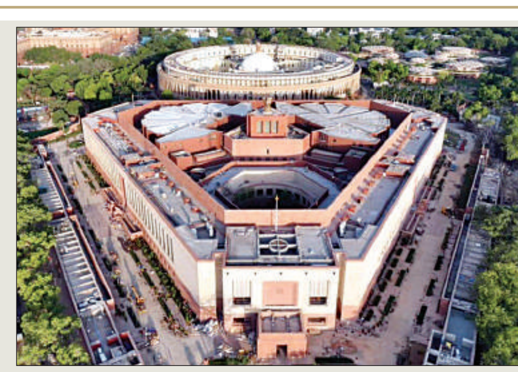

ललित गर्ग

देश में 18वीं लोकसभा चुनी जा चुकी है, मंत्रिमंडल का गठन हो चुका है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और रिकॉर्ड संख्या में मतदाता होने के गर्व करने वाली स्थितियां हैं वहीं चिन्ताजनक, विचलित एवं परेशान करने वाली स्थितियां भी हैं। खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं जो पिछली बार से तीन प्रतिशत अधिक है। भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं उन्हें राष्ट्र-निर्माण की जिम्मेदारी दिया जाना-हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है।

क्या इस स्थिति में देश की लोकतांत्रिक शुचिता एवं पवित्रता की रक्षा हो पाएगी? क्या हम आदर्श एवं मूल्यपरक समाज बना पाएंगे? क्या ये दागदार नेता एवं जन-प्रतिनिधि कालांतर हमारी व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मसलों का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2019 में चुने गये सांसदों में जहां 233 यानी 43 फीसदी ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं अठाहरवीं लोकसभा के लिये चुने गए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात मानी है। जो कुल संख्या का 46 फीसदी बैठती है। आज भारत की आजादी के अमृतकाल का एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्तवों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। अरविन्द केजरीवाल जैसे नेता आम चुनाव में कहते हैं कि आप लोग बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी को वोट दें ताकि मैं जेल जाने से बच जाऊं। हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन एवं ईमानदार व्यवस्था स्थापित करेंगे? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे? कैसे संसद में दागियों के पहुंचने के लिये द्वार बंद होंगे?

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सजग पहल पर ही वर्ष 2020 से सभी राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने लगे है। निश्चित ही इस आदेश का मकसद देश की राजनीति को आपराधिक छवि वाले नेताओं से मुक्त करना ही था। लेकिन वास्तव में ऐसा हुआ नहीं क्योंकि तमाम राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीतने वाले उम्मीदवार थे, अब चाहे उनका आपराधिक रिकॉर्ड ही क्यों न हो। बड़ा प्रश्न है कि आखिर राजनीति में तब कौन आदर्श उपस्थित करेगा? क्या हो गया उन लोगों को जिन्होंने सदैव ही हर कुर्बानी करके आदर्श उपस्थित किया। लाखों के लिए अनुकरणीय बने, आदर्श बने। चाहे आजादी की लड़ाई हो, देश की सुरक्षा हो, धर्म की सुरक्षा हो, अपने वचन की रक्षा हो अथवा अपनी संस्कृति और अस्मिता की सुरक्षा का प्रश्न हो, उन्होंने फर्ज और वचन निभाने के लिए अपना सब कुछ होम कर दिया था। महाराणा प्रताप, भगत सिंह, दुर्गादास, छत्रसाल, शिवाजी जैसे वीरों ने अपनी तथा अपने परिवार की सुख-सुविधा को गौण कर बड़ी कुर्बानी दी थी। गुरु गोविन्दसिंह ने अपने दोनों पुत्रों को दीवार में चिनवा दिया और पन्नाधाय ने अपनी स्वामी भक्ति के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया। ऐसे लोगों का तो मन्दिर बनना चाहिए। इनके मन्दिर नहीं बने, पर लोगों के सिर श्रद्धा से झुकते हैं, इनका नाम आते ही। लेकिन आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों को धराशायी कर दिया। राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति, गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा। अगर किसी हत्या, अपहरण या अन्य संगीन अपराधों में कोई व्यक्ति आरोपी है तो उसे राजनीतिक बता कर संरक्षण देने की कोशिश या राजनीतिक लाभ उठाने की कुचेष्ठा पर विराम लगाना ही होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार एवं अपराध मुक्त राजनीति को सदैव प्राथमिकता दी लेकिन चुनाव जीतने के रण में वे भी अपराधी राजनेताओं को प्रश्रय देते हुए दिखे हैं।

सभी राजनीतिक दलों ने ही दागी उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं। जो राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के भारी अंतर को ही उजागर करता है। सवाल है कि देश के लिये नीति निर्धारण करने वाले ऐसे दागी लोग हमारे भाग्यविधाता बने रहेंगे तो हमारा भविष्य कैसा होगा? क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद हमारी कानून-व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? क्या होगा हमारे समाज व व्यवस्था का भविष्य? क्यों तमाम आदर्शों की बात करने वाले और दूसरे दलों के नेताओं की कारगुजारियों पर सवाल उठाने वाले नेता राजनीति को अपराधियों के वर्चस्व से मुक्त कराने की ईमानदार पहल नहीं करते? क्यों सभी राजनीतिक दल भारतीय लोकतंत्र में शुचिता एवं पवित्रता के लिये सहमति नहीं बनाते? निश्चित रूप से यदि समय रहते इस दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं होती तो आने वाले वर्षों में दागियों का यह प्रतिशत लगातार बढ़ता ही जाएगा।

गर्मी ने कर दिया है हाल बेहाल, तो पिएं

मोहब्बत और नफरत का शरबत

गर्मी का बढ़ता प्रकोप हमारी सेहत पर कहर बरपा सकता है। इसके कारण डिहाइड्रेशन से लेकर हीट स्ट्रोक जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए इस मौसम में कुछ न कुछ पीते रहना चाहिए। गर्मियों का मौसम सेहत के लिहाज से कष्टदायी हो सकता है। बढ़ते तापमान और चिलचिलाती धूप के कारण डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, अपच और न जाने कितनी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि इस मौसम में खुद का खास ख्याल रखा जाए। पानी की कमी की वजह से शरीर के कई अंग प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए गर्मी के प्रभाव को कम करने के लिए समय-समय पर कुछ न कुछ पीते रहना चाहिए। गर्मी से राहत पाने के लिए ठंडा-ठंडा मोहब्बत और नफरत का शरबत पीना काफी फायदेमंद हो सकता है। इससे आपकी सेहत को काफी फायदा मिलता है और पानी की कमी की वजह से होने वाली समस्याओं से बचाव होगा। ये दोनों शरबत काफी स्वादिष्ट होते हैं और ठंडक का एहसास भी कराते हैं। इन्हें फलों से बनाया जाता है, जिससे सेहत को भी फायदा मिलता है।

मोहब्बत का शरबत की सामग्री

500 मिली ठंडा दूध, 1 कप तरबूज का रस, तरबूज के छोटे-छोटे टुकड़े, 1/2 कप ठंडा पानी, 3 कप गुलाब सिरप, 6 बड़े चम्मच चीनी, कुछ बर्फ के टुकड़े, 2 बड़े चम्मच सूखी गुलाब की पंखुड़ियां।

विधि

एक जग में ठंडा दूध, पानी और तरबूज का रस डालें। अच्छी तरह से मिलाएं। अब इसमें गुलाब सिरप, चीनी डालें और तब तक मिलाएं जब तक कि सब कुछ पूरी तरह से घुल न जाए और मिश्रण एक सुंदर गुलाबी रंग का न हो जाए। शरबत को गिलासों में डालें। छोटे कटे हुए तरबूज के टुकड़ों से सजाएं। गुलाब की पंखुड़िया और बर्फ के टुकड़े डालें और शरबत को ठंडा-ठंडा परोसें।

शरबत के फायदे

मोहब्बत का शरबत आपको नाम से ही काफी अलग और खास लग रहा होगा। इसका नाम सुनने में जितना अच्छा है, स्वाद और रिफ्रेशिंग के मामले में भी यह उतना ही अच्छा है। इस खास शरबत का मेन इंग्रीडिएंट तरबूज है, तो आपको गर्मी में ठंडा और हाइड्रेट रखती है। मोहब्बत के शरबत को तैयार करने के लिए तरबूज का इस्तेमाल किया जाता है, जो गर्मियों में आपके लिए हेल्दी होता है। यह पेट की गर्मी को शांत करके आपको ठंडक प्रदान कर सकता है। वहीं, इससे डिहाइड्रेशन की परेशानी दूर होगी। इसके अलावा मोहब्बत का शरबत आपके मूड के लिए भी काफी अच्छा। इसके साथ ही इस खास शरबत में ठंडा दूध मिक्स किया जाता है, तो पेट के लिए अच्छा होता है। मुख्य रूप से अगर आपको गर्मियों में कब्ज और अपच की परेशानी है तो आप इस खास शरबत का सेवन कर सकते हैं। इससे आपकी परेशानी कम होगी। गुलाब की पत्तियां आपकी स्किन के लिए काफी हेल्दी होती हैं। इस शरबत में मिक्स गुलाब की पत्तियों का सेवन करने से आपकी स्किन और लिप्स पर चमक आ सकती है। इसके अलावा यह पेट के लिए भी अच्छा होता है। इसी तरह नफरत का शरबत काफी ज्यादा लोकप्रिय है। गर्मियों के समय में ज्यादातर लोग नफरत के शरबत को पीना काफी पसंद करते हैं।

नफरत का शरबत

सामग्री

500 मी.लि. दूध, ड्राई फ्रूट्स, 1 सेब (छीलकर कद्दूकस किया हुआ), 2 चम्मच वनीला एसेंस, 2 चुटकी केसर, 2 चम्मच पिसी हुई चीनी।

विधि

सबसे एक गिलास में ठंडा दूध लें और उसमें चीनी मिलाएं। चीनी आप अपने स्वादानुसार डाल सकते हैं कि आपको कितना मीठा पीना पसंद है। इसके बाद इसमें केसर के कुछ धागे और वनीला एसेंस मिलाएं। अब एक सेब का छिलका हटाकर कद्दूकस कर दें और उसे दूध में मिलाएं। अब इसे और ठंडा व रिफ्रेशिंग बनाने के लिए इसमें बर्फ मिलाएं और ठंडे शरबत का आनंद लें।

हंसना मना है

टीचर-तुम कल स्कूल क्यों नहीं आये थे? लड़का-जी वो, कल मेरे घर में पूजा थी, टीचर-तो परसों क्यों नहीं आये थे? लड़का -जी परसों मेरे घर प्रिया थी? टीचर बेहोश

स्कूल में एक दिन टीचर संजू से - तुम बड़े होकर क्या बनोगे? संजू - मेम मैं बड़ा होकर सीए बनूंगा, सभी महानगरों मे मेरा बिजनेस चलेगा, हमेशा हवाई यात्रा करूंगा, हमेशा 5 स्टार होटल मे ठहरूंगा, हमेशा 10 नौकर मेरे आसपास रहेंगे, मेरे पास सबसे महंगी कार होगी, मेरे पास सबसे महंगे... टीचर - बस संजू बस!! बच्चों आप सब को इतना लम्बा जवाब देने की आवश्यकता नही है, सिर्फ एक लाइन में जवाब देना.. अच्छा पिंकी तुम बताओ तुम बड़ी होकर क्या बनोगी? पिंकी - संजू की पत्नी।

लड़का- तुम्हारा नाम क्या है? लड़की - तमन्ना, लड़का- तब तो फिर तुम्हारे बाप का नाम जरूर सरफरोश ही होगा, लड़की- क्यों? लड़का - क्योंकि सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है।

कहानी — ज्ञानी बालक और राजा

युधिष्ठिर नाम का एक राजा हुआ करता था। उसे शिकार का बड़ा शौक था। एक बार वह अपने सैनिकों के साथ शिकार के लिए जंगल गया हुआ था। वो जंगल काफी घना था। शिकार की तलाश में वह जंगल में काफी अंदर तक चला गया था। तभी वहां अचानक तेज तूफान आ गया। सब तितर-बितर हो गए। जब बारिश रुकी तो राजा ने देखा कि उसके आस-पास कोई भी नहीं है। राजा अकेला था। उसके सैनिक उससे बिछड़ गए थे। शिकार की तलाश में भटकने की वजह से राजा थक भी गया था। भूख और प्यास के मारे उसका बुरा हाल हो रहा था। तभी उसे तीन लड़के आते दिखे। राजा उनके पास गया और बोला कि भूख और प्यास के मारे मेरी जान निकल रही है। क्या मुझे कुछ खाना और पानी मिल सकता है। लड़कों ने बोला क्यों नहीं और वे भागकर अपने घर गए और राजा के लिए भोजन और पानी लेकर आए। खाना खाने के बाद राजा बहुत खुश हुआ और उसने उन लड़कों को बताया कि वह फतेहगढ़ का राजा है और तीनों ने जो उसकी मदद की उससे वह बहुत खुश है। राजा ने तीनों लड़कों की सेवा से खुश होकर उन्हें बदले में कुछ मांगने के लिए कहा। इसपर पहले लड़के ने राजा से ढ़ेर सारा धन मांगा, ताकि वह आराम से अपना जीवन व्यतीत कर सके। इसके बाद, दूसरे लड़के ने घोड़ा और बंगले की मांग की, लेकिन तीसरे लड़के ने राजा से धन, दौलत की जगह ज्ञान मांगा। उसने बोला राजा मैं पढ़ना चाहता हूं। राजा राजी हो गया। उसने पहले लड़के को वादानुसार बहुत सारा धन दिया। दूसरे लड़के को बंगला और घोड़ा दिया और तीसरे लड़के के लिए टीचर की व्यवस्था कर दी। बहुत दिन बीतने के बाद एक दिन अचानक राजा को जंगल वाली घटना याद आई, तो उसने उन तीनों लड़कों से मिलना चाहा। उसने तीनों को खाने पर आमंत्रित किया। तीनों लड़के एक साथ आए और खाना खाने के बाद राजा ने तीनों से उनका हाल लिया। इस पर पहला लड़का दुखी होकर बोला- इतना धन पाने के बाद भी आज मैं गरीब हूं। राजा जी आपने जितना धन दिया था अब वह खत्म हो चुका है। मेरे पास कुछ नहीं बचा। राजा ने दूसरे लड़के की तरफ देखा तो उसने कहा- आपके द्वारा दिया गया घोड़ा चोरी हो गया और बंगला बेचकर जो पैसा आया वो भी कुछ खर्च हो चुका है और बचा हुआ भी जल्द खत्म हो जएगा। हम तो फिर वहीं आ गए, जहां से चले थे। अब राजा ने तीसरे लड़के की ओर देखा। तीसरे लड़के ने बोला- राजा मैंने आपसे ज्ञान मांगा था, जो रोजाना बढ़ रहा है। इसी का नतीजा है कि मैं आज आपके दरबार में मंत्री हूं। आज मुझे किसी चीज की जरूरत नहीं है। यह सुनकर दोनों युवकों को काफी अपसोस हुआ।

7 अंतर खोजें

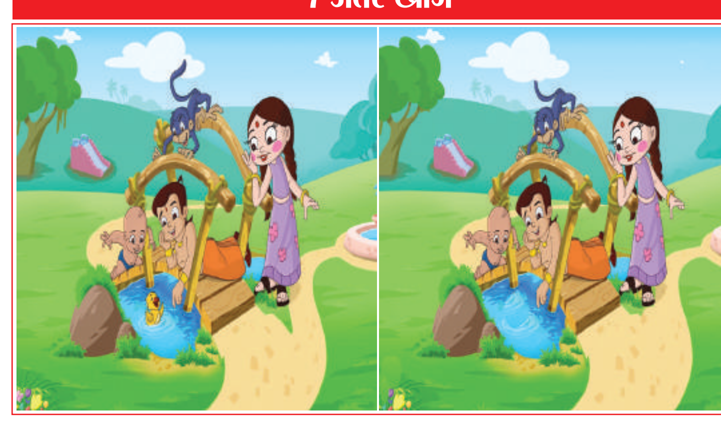

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें।

वृषभ — कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मिथुन — धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क — बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

सिंह — कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

कन्या — रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें।

तुला — किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा।

वृश्चिक — व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु — जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मकर — किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

मीन — आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें।

फैंस हुए निराश, टल गई सिंघम अगेन की रिलीज!

रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन के इंतजार में फैंस पलके बिछाए बैठे हैं। एक एक कर के स्टार कास्ट के फर्स्ट लुक रिवील कर दिए गए, अभी तक कोई टीजर नहीं आया। ना ही इसे रिलीज करने के आसार नजर आ रहे हैं। अजय देवगन ने अब इसकी वजह बताई है। उन्होंने कन्फर्म किया कि फिल्म अब 15 अगस्त को रिलीज नहीं होगी। इसे पूरी होने में अभी थोड़ी और देर है।

अब फैंस को इस खबर से निराशा जरूर होगी लेकिन बता दें, ये फैसला एक अच्छी सोच के तहत ही लिया गया है। अजय बताते हैं कि फिल्म पर काम अभी पूरा नहीं हुआ है और जल्दबाजी में वो कैसे भी फिल्म को रिलीज करने से बचना चाहते हैं। इससे फैंस का एक्सपीरियंस भी खराब नहीं होगा। अजय कहा- हमें पक्का पता नहीं है। फिल्म का काम अभी पूरा होना बाकी है और फिल्म की कुछ शूटिंग भी बाकी है। हम जल्दबाजी में नहीं हैं क्योंकि जल्दबाजी से चीजें खराब हो जाती हैं।

जब हम तैयार हो जाएंगे, तब हम रिलीज की तारीख तय करेंगे। अजय की हाल ही में तब्बू के साथ रोमांटिक लव स्टोरी औरों में कहां दम था का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इस दौरान अजय ने मीडिया से बातचीत में खुलासा किया। अजय के फैंस इस न्यूज से काफी अपसेट हैं। वहीं उनकी रोमांटिक फिल्म को लेकर एक्साइटेड भी हैं। लेकिन उम्मीद है मेकर्स जल्द ही सिंघम अगेन पर काम पूरा करेंगे।

बता दें, सिंघम अगेन के जरिए रोहित शेट्टी ने पूरी कॉप यूनिवर्स तैयार की है। अजय देवगन के अलावा इस कॉप यूनिवर्स का अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, करीना कपूरी भी हिस्सा होंगे। रोहित इससे पहले अजय देवगन के साथ सिंघम और सिंघम 2 बना चुके हैं, वहीं रणवीर सिंह के साथ सिम्बा और अक्षय कुमार के साथ सूर्यवंशी बनाई थी। सभी फिल्मों को ऑडियन्स से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था।

एक्ट्रेसेज की बात करें तो करीना सिंघम 2 का हिस्सा थीं, वहीं दीपिका पादुकोण की पहली बार एक पुलिस ऑफिसर के तौर पर एंट्री हो रही हैं। रोहित शेट्टी की इस कॉप यूनिवर्स में अर्जुन कपूर सिंघम अगेन के सुपर विलेन होंगे।

हालांकि अब अजय देवगन की खेल खेल में की रिलीज डेट 15 अगस्त की दी गई है। वहीं जॉन अब्राहम की वेदा, शरमन जोशी की जिद्दी सनम की रिलीज होनी है। अब देखना होगा कि सिंघम अगेन को इसकी आखिरी रिलीज डेट कब मिलती है।

फिल्म रौतू का राज का ट्रेलर आया सामने

पुलिस अफसर बन मर्डर का राज खोलेंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म रौतू का राज का ट्रेलर सामने आ गया है। फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लैटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम होगी। इससे पहले आइए जानते हैं कैसा है उनकी नई फिल्म का ट्रेलर?

रौतू का राज में एक बार फैंस को नवाजुद्दीन सिद्दीकी का वर्दी वाला अंदाज देखने को मिलने वाला है। रौतू का राज में एक बार फैंस को नवाजुद्दीन सिद्दीकी का वर्दी वाला अंदाज देखने को मिलने वाला है। फिल्म में वो इंस्पेक्टर दीपक नेगी के रोल में नजर आ रहे हैं। राजेश कुमार के रोल में नरेश डिमरी जांच-पड़ताल में उनकी मदद कर रहे हैं। दीपक नेगी उत्तराखंड में एक मर्डर की गुत्थी सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। नेगी को उत्तराखंड के मसूरी में स्थित छोटे से गांव रौतू में हुई एक मर्डर केस को सुलझाने लाया गया है। मर्डर सेवाधाम स्कूल हुई है और वहां के लोगों का मानना है कि मर्डर में कुछ तो अजीब है। वहीं पुलिस का मानना है कि ह

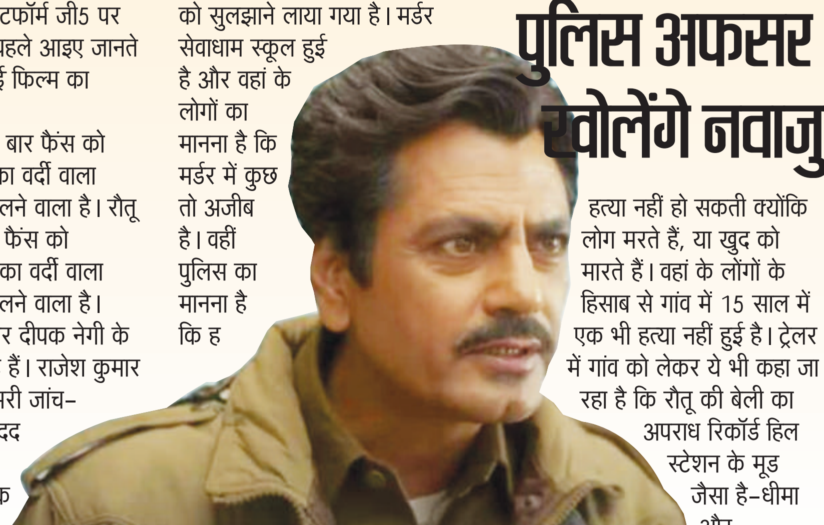

हत्या नहीं हो सकती क्योंकि लोग मरते हैं, या खुद को मारते हैं। वहां के लोंगों के हिसाब से गांव में 15 साल में एक भी हत्या नहीं हुई है। ट्रेलर में गांव को लेकर ये भी कहा जा रहा है कि रौतू की बेली का अपराध रिकॉर्ड हिल स्टेशन के मूड जैसा है-धीमा और आरामदेह। फिल्म की स्ट्रीमिंग की बात करें तो ये 28 जून से जी5 और ओटीटीप्ले प्रीमियम स्ट्रीम होगी। फिल्म का निर्देशन आनंद सुरपुर ने किया है। रौतू का राज में तनुज मेहरा के रूप में अतुल तिवारी और वार्डन संगीता के रूप में नारायणी शास्त्री भी नजर आ रहे हैं। इसके अलावा फिल्म में नवाजुद्दीन के किरदार को देख उनकी फिल्म रात अकेली है कि याद आती है।

बॉलीवुड | मन की बात

क्रिकेट विश्वकप की मेजबानी कर मैं खूब रोयी थी : मंदिरा

मंदिरा बेदी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। मंदिरा भले ही फिल्मी पर्दे से दूर हों लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। मंदिरा हमेशा से अपनी फिटनेस को लेकर लाइमलाइट में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने मीडिया के साथ बातचीत में अपने काम के दौरान झेले भेदभाव को लेकर खुलकर बात की। मंदिरा ने ये भी कहा कि वह एक हफ्ते तक लगातार हर दिन रोती थीं, जिसके बाद उनके जीवन में भारी बदलाव आए। हालिया इंटरव्यू में मंदिरा ने बताया कि उनके लिए चीजें उतनी आसान नहीं थीं, क्योंकि वो पहली उन चुनिंदा महिलाओं में से एक थीं जिसने पैनल पर जगह बनाई थी। मंदिरा ने कहा, पैनल पर दांए और बांए तरफ बैठे दिग्गज अपने साथ एक महिला के बैठने को लेकर खास एक्साइटेड नहीं लगते थे। मैं एक सवाल पूछती, मेरे कुछ सवाल बेवकूफी भरे होते थे। लेकिन मेरा यह कहना है कि आप वही सवाल पूछते हैं जो आपके मन में आते हैं, एक्ट्रेन ने बताया। इंटरव्यू में आगे एक्ट्रेस-होस्ट ने कहा कि जब भी वो किसी क्रिकेट एक्सपर्ट से कोई सवाल करती तो वो उनके चेहरे को देखते फिर कैमरे की तरफ देखकर जो कुछ भी वे चाहते थे उसके बारे में बोलना शुरू कर देते थे। मंदिरा के सवालों को अनसुना कर दिया जाता था। अपने एक साथ हुए एक किस्से को याद करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि शो के बाद वो अपना सिर नीचे कर लेती थी और रोती थी। उनके आसपास के लोग उन्हें कॉफी ब्रेक लेने को कह देते थे। उन्होंने आगे कहा, मैं बहुत दुखी थी और मेरे पहले हफ्ते में किसी ने मुझसे कुछ नहीं कहा था। मैं हकला रही थी, लड़खड़ा रही थी और घबरा रही थी। मुझे किसी का कोई सहारा नहीं मिला था। वहीं मेरे साथ जो को-होस्ट था, उनके सभी सवालों का जवाब दिया जाता था। मंदिरा की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो उन्हें आखिरी बार 2019 में प्रभास स्टारर फिल्म साहो में देखा गया था। इसके बाद मंदिरा वेब शो द रेलवे मैन में काम करती दिखी थीं जिसमें आर माधवन, केके मेनन, दिव्येंदु और बाबिल खान अहम किरदार में थे। यह शो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ था।

पंचधातु से बना 3200 किलो का गदा 3000 किलो का धनुष चल पड़ा अयोध्या

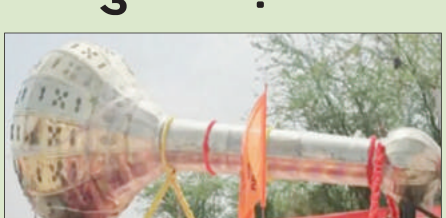

सिरोही। अयोध्या के राम मंदिर में सजावट का सिलसिला जारी है। अब यहां 3200 किलो की गदा और 3 हजार किलो का धनुष भगवान राम को अर्पित किया जाएगा। ये दोनों चीजें सिरोही के शिल्पकारों ने पंच धातु से बनायी हैं। इन्हें यहां से बाजे गाजे के साथ रवाना कर दिया गया है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या में रामलला मंदिर में चढ़ाने के लिए विशाल गदा और धनुष तैयार किया गया है। 26 फीट का गदा 32 किलो का और 31 फीट का धनुष 3000 किलो का है। इन्हें पंचधातु से बनाया गया है। शिवगंज से धार्मिक यात्रा के रूप में गदा और धनुष को रवाना किया गया। इससे पूर्व विधि-विधान से धनुष और गदा की पूजा-अर्चना की गई। शिवगंज के महाराजा मैदान में सनातन सेवा संस्थान शिवगंज की ओर से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के मुख्य अतिथि में भव्य समारोह आयोजित किया गया। अतिथियों ने भगवा झंडा दिखाकर रामरथ को अयोध्या के लिए रवाना किया। चंपत राय ने कहा 500 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या में भगवान राम की जन्मस्थली पर भव्य मंदिर बन गया है। मन्दिर के बाहर राम भक्तों शबरी, केवट, अहिल्या समेत 16 अन्य मंदिर बनवाए जाएंगे। उन्होंने सिरोही की भूमि को नमन करते हुए राम मंदिर अयोध्या में उपयोग हो रहे पिंडवाड़ा क्षेत्र के पत्थरों की तारीफ भी की। समारोह में पहले हनुमान गदा रवाना किया गया। राम धनुष की फिनिशिंग का अंकुश कार्य बाकी होने से उसे दोपहर बाद रवाना किया गया। संस्थान की ओर से तैयार करवाये गए इस हनुमान गदा और रामधनुष का काम कैलाशकुमार सुथार और हितेश सोनी की देखरेख में पूरा किया गया है। यह काम 18 कारीगरों की टीम ने पूरा किया। ये राम रथयात्रा सोजत में पहला पड़ाव रखने के बाद बर, जयपुर, आगरा और लखनऊ होते हुए अयोध्या पहुंचेगी। राम रथ यात्रा 16 जून को अयोध्या पहुंचेगी। 17 जून को राम मंदिर परिसर में प्रभुराम के चरणों में विधिवत पूजा अर्चना और मंत्रोच्चारण के बीच राम धनुष और हनुमान गदा अर्पण किया जाएगा।

अजब-गजब | यहां कैदियों की पीठ पर टैटू के रूप में बने होते हैं निशान

इस जेल में लोहे के बिस्तर पर सोते हैं कैदी

दुनिया में जैसे-जैसे जुर्म बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे बेहतर और सुरक्षित जेलों की जरूरत पड़ना लाजमी है। ऐसे में कई देशों ने अपने यहां ऐसे स्पेशल जेल बनाए हैं, जिसमें चिड़िया भी पर मार सकती। सेंट्रल अमेरिका में मौजूद देश, एल सैलवाडोर भी ऐसा ही एक देश है, जहां एक खास तरह का जेल बनाया गया है। इस जेल में बेहद खूंखार कैदी होते हैं। यूं तो इस जेल में 40 हजार कैदी रह सकते हैं, मगर उनके रहने की जो स्थिति है, वो बेहद बुरी है और अंदर की तस्वीरें आपको हैरान कर देंगी।

एक रिपोर्ट के अनुसार एल सैलवाडोर के टेकोल्यूका शहर में टेरिरिज्म कंफाइनमेंट सेंटर बनाया गया है। इसका निर्माण जनवरी 2023 में पूरा हुआ था और इस जेल में 40 हजार कैदी रह सकते हैं। देश में जुर्म का स्तर काफी ज्यादा था, इस वजह से वहां के राष्ट्रपति नाएब बुकेले ने प्रण लिया था कि वो अपराध को कम करेंगे। नार्को गैंग पर शिकंजा कसते हुए उनके राज में ताबड़तोड़ छापेमारी और गिरफ्तारियां हुईं। जिसके बाद बीते 20 महीनों में 70 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया।

अधिकतर कैदियों को इस जेल में डाला गया। ये एक अभेद्य किला है, जिसके अंदर किसी बाहरी के लिए घुस पाना, या कैदियों के लिए बाहर निकल पाना असंभव है। इस जेल में 24 घंटे आर्टिफिशियल लाइट जलती है।

जो कैदी एक बार इसके अंदर आ जाता है, वो सूरज की रोशनी नहीं देख पाता। कैदियों को चावल, अंडे, पास्ता, आदि जैसी चीजें परोसी जाती हैं, पर उन्हें ये सब हाथ से ही खाना पड़ता है क्योंकि चाकू-छुरी से वो हमला कर सकते हैं। 100 स्क्वायर मीटर के सेल में 2 टॉयलेट और 2 सिंक है जिसे कैदियों को शेयर करना पड़ता है।

उन्हें सिर्फ लोहे की पतली चादर से बने बिस्तर पर सोना पड़ता है। उन्हें पूरे दिन में 30 मिनट खाली वक्त मिलता है, जिसमें वो एक्सरसाइज कर सकते हैं। हालांकि, उस दौरान उन्हें डंबल या अन्य जिम के अपकरण नहीं मिलते हैं। ह्यूमन राइट्स ग्रुप्स इसे मानवाधिकार का ब्लैक होल कहते हैं, जो मानवाधिकार के सारे नियमों-अधिकारों को निगल जाता है। इस जेल में देश के खूंखार अपराधी, ड्रग्स तस्कर, हत्यारे आदि मौजूद हैं। उन्हें काबू में करने के लिए सिपाहियों को कई तरह के हथियार दिए गए हैं। कैदियों के शरीर पर उनके गैंग के निशान टैटू के रूप में बने रहते हैं।

नीट घोटाला व्यापम 2.0 है जिसे मोदी सरकार छुपाना चाहती है: पवन खेड़ा

» कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में फॉरेंसिक जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट में अंकों पर हुइ धांधली के मुद्दे पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला तेज कर दिया है। इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पीपर सवाल उठाया और कहा कि केवल सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में फोरेंसिक जांच ही लाखों युवा छात्रों के भविष्य की रक्षा कर सकती है। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में दावा किया कि नीट घोटाला व्यापम 2.0 है और मोदी सरकार इसे सफेद करना चाहती है। व्यापम या मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मंडल में घोटाला 2013 में सामने आया था।

इस घोटाले में उम्मीदवारों ने अधिकारियों को रिश्वत दी थी। उत्तर पुस्तिकाएं लिखने के लिए जालसाजों को नियुक्त करके परीक्षा में धांधली की थी। पवन खेड़ा ने पूछा कि क्या शिक्षा मंत्री इस बात से इनकार कर सकते हैं कि गुजरात के गोधरा में एक कोचिंग सेंटर चलाने वाले व्यक्ति, एक शिक्षक और एक अन्य सहित तीन लोगों की संलिप्तता वाले एक एनईईटी-यूजी धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। मामले की जांच में छात्रों, उनके अभिभावकों और आरोपियों के बीच 12 करोड़ रुपये से अधिक के लेन-देन का पता चला है? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या यह सच नहीं है कि इस साल, 2024 में, 67 टॉपर्स थे, जिन्हें 720 का परफेक्ट स्कोर दिया गया था, जबकि 2023 में सिर्फ 2 छात्रों को परफेक्ट स्कोर मिला था। क्या यह सच नहीं है कि नीट के नतीजे 10 दिन पहले घोषित किए गए।

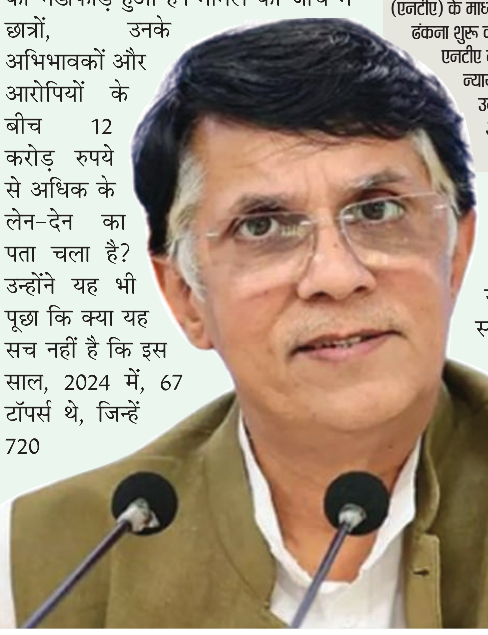

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ पर पीएम की चुप्पी हैरान करने वाली : खरगे

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि मोदी सरकार ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से नीट घोटाले को ढंकना शुरू कर दिया है। केंद्र और एनटीए ने बृहस्पतिवार को सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि उन्होंने एमबीबीएस और ऐसे अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा देने वाले

1,563 उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क्स रद्द कर दिए हैं। केंद्र ने कहा था कि उनके पास या तो दोबारा परीक्षा देने या समय की हानि के लिए उन्हें दिए गए प्रतिपूरक अंकों को छोड़ने का विकल्प होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि चौबीस लाख युवा डॉक्टर बनने के लिए नीट परीक्षा देते हैं और एक लाख मेडिकल सीटों के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। आरोप लगाया कि इन एक लाख सीटों में से करीब 55,000 सीटें सरकारी कॉलेजों में हैं। यहां एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस श्रेणियों के लिए सीटें आरक्षित हैं। लेकिन इस बार मोदी सरकार ने एनटीए का दुरुपयोग किया है। अंकों और रैंक में बड़े पैमाने पर धांधली की है, जिसके कारण आरक्षित सीटों के लिए कट-ऑफ भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि मेधावी छात्रों को रियायती दरों पर सरकारी प्रवेश पाने से वंचित करने के लिए ग्रेस मार्क्स, पेपर लीक और धांधली का खेल खेला गया।

परीक्षा में हुई है धांधली : तेजस्वी

राजद नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा केंद्र में रहे या राज्य में, पेपर लीक होना तय है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीट का पेपर लीक होना बहुत ही गंभीर विषय है। पुलिस हिरासत में अपराधी इस बात को कबूल रहा है कि पेपर लीक किया गया है, अभ्यर्थी, अभिभावक, विद्यार्थी, युवा सभी चिंतित हैं, लेकिन, एनडीए सरकार नख से शिख तक अहंकार में डूबी है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पेपर लीक के सबूत सार्वजनिक होने, मामले में जांच, गिरफ्तारी और साजिशकर्ताओं के जुर्म कबूलने के बाद भी सरकार यह मानने को तैयार ही नहीं है कि परीक्षा में धांधली हुई है। उन्होंने कहा कि सबूत सामने है, लेकिन केंद्रीय शिक्षा मंत्री इतने अनभिज्ञ हैं कि मानने को तैयार ही नहीं हैं कि गड़बड़ी हुई है। अहंकारी मोदी सरकार कुंभकर्णी नींद में ऐसे सोई है कि लाखों अभ्यर्थियों के सपनों में आग भी लग जाए तो उन्हें परवाह नहीं।

किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलवाड़ नहीं होगा: प्रधान

बता दें कि नीट में धांधली के आरोपों पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के तहत परीक्षार्थियों के हितों को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि मैं परीक्षार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी बच्चे के करियर के साथ खिलवाड़ नहीं होगा। इस मामले से जुड़े तथ्य सर्वोच्च न्यायालय के संज्ञान में हैं। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार जो भी आवश्यक कदम उठाने होंगे, सरकार उसे उठाएगी।

कश्मीरियत का मतलब है सभी का एक साथ शांतिपूर्वक रहना : इल्तिजा मुफ्ती

» खीर भवानी मेले में पहुंची पीडीपी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गंदेबाल में खीर भवानी मेले का आयोजन हो रहा है। ये मेला हर साल खीर भवानी मंदिर में होता है। इस मौके पर खास पूजा का आयोजन किया जाता है। घाटी में होने वाले इस मेल में देशभर में रहने वाले कश्मीरी पंडित शिरकत करते हैं। इस मेले में पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती भी पहुंची हैं। खीर भवानी मेले पर पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि मैं आज यहां प्रेम और मानवता का पैगाम लेकर आई हूं। कश्मीरियत का मतलब है सभी का एक साथ शांतिपूर्वक रहना।

मैं यहां राजनीति करने नहीं आई हूं और बहुत बड़ा शुभ दिन है। इसलिए मैं खुद अपने पंडितों भाई-बहनों को बधाई देना

चाहती थी। बता दें कि इल्जिता मुफ्ती जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम और पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी हैं। इल्तिजा मुफ्ती जम्मू-कश्मीर की राजनीति में एक प्रमुख नाम बन गई है। इल्तिजा, अपनी मां के सोशल मीडिया अकाउंट संभाल रही थीं। इल्जिता तब सुर्खियों में आई जब उन्हें अपनी मां महबूबा मुफ्ती का मीडिया सलाहकार बनाया गया।

अरुंधती रॉय पर अब यूपीए के तहत चलेगा मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लेखिका अरुंधति राय के खिलाफ यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने के लिए दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने बीते दिन मंजूरी दे दी। अरुंधति के खिलाफ ये मामला काफी पुराना है, जिसमें अब उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। लेखिका अरुंधति के अलावा कश्मीर के केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय कानून के पूर्व प्रोफेसर डा. शेख शौकत हुसैन के खिलाफ भी मुकदमा चलाने की मंजूरी दी गई है।

दरअसल, अरुंधति ने 21 अक्टूबर 2010 को दिल्ली के एक सम्मेलन आजादी-द ओनली वे में कथित तौर पर भड़काऊ बयान दिया था। इस भाषण को भारत विरोधी बताया गया था।आरोपों के अनुसार, सम्मेलन में कश्मीर को भारत से अलग करने तक की बात कही गई। आरोप है कि लेखिका ने इस बात का जोर-शोर से प्रचार किया कि कश्मीर न कभी भारत का हिस्सा था और सशस्त्र बलों ने जबरन उसपर कब्जा किया है।

सार्थक चैरिटेबल सेंटर ने कराया रक्त का महादान

» लोगों ने मनाया विश्व रक्तदाता दिवस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विश्व रक्तदाता दिवस पर अपने सामाजिक सरोकार के तहत सार्थक चैरिटेबल ब्लड सेंटर ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह आयोजन संस्थान के ब्लड बैंक में किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और रक्तदान कर महादानी बने। यह जानकारी ब्लड सेंटर से जुड़े जितेंद्र कुमार यादव और अनूप मौर्य ने दी। इन्होंने बताया कि रक्तदान करने से कई फायदे हैं। रक्तदान से कोई बीमारी नहीं होती।

इसमें हर बार नई सुई का प्रयोग किया जाता है। दान किए गए रक्त को कई घटकों में विभाजित किया जाता है। एक नहीं चार मरीजों की जान एक यूनिट रक्त से बचाई जा सकती है। रक्तदान करने से आपको किसी की जीवन बचाने पर आत्मसंतोष मिलेगा। रक्तदान करने पर शरीर में नया रक्त बनने की प्रक्रिया तेजी हो जाएगी।

अमेरिका सुपर-8 में पहुंचा, पाकिस्तान बाहर

» 10 साल में पहली बार टूर्नामेंट के ग्रुप चरण से बाहर हुआ पाक
» अमेरिका और आयरलैंड का मैच रद्द होने से हुआ नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का निराशाजनक प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है और टीम टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण के अपने अंतिम मैच से पहले ही सुपर आठ चरण की दौड़ से बाहर हो गई है। बाबर आजम की अगुआई वाली टीम ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में असफल रही, जबकि पहली बार टूर्नामेंट में खेलने उतरी सह मेजबान अमेरिका ने इतिहास रचते हुए सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया।

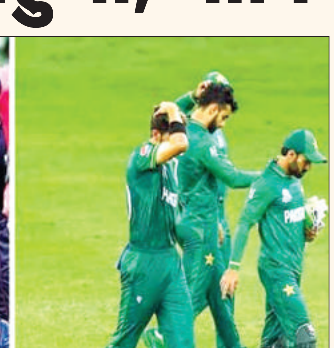

अमेरिका और आयरलैंड के बीच फ्लोरिडा में खेला जाने वाला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। अमेरिका को मैच रद्द होने से जहां फायदा हुआ और ग्रुप-ए से भारत के बाद वह सुपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम बन गई। वहीं, इसका सबसे ज्यादा प्रभाव पाकिस्तान पर पड़ा जिसका सफर ग्रुप चरण में ही थम गया। पाकिस्तान के लिए यह काफी निराशाजनक है क्योंकि टीम 2022 की उपविजेता रही थी। इतना ही नहीं उसके नाम पुरुष टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा बार सेमीफाइनल में पहुंचने का रिकॉर्ड भी दर्ज है।

पाकिस्तान से आगे निकला अमेरिका

पाकिस्तान के फैंस चाहते थे कि आयरलैंड किसी भी तरह अमेरिका को हरा दे जिससे पाकिस्तान की उम्मीदें बनी रहें, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद मुकाबले में टॉस भी नहीं हो सका और उसकी सभी उम्मीदें धूमिल हो गईं। ग्रूप-ए में भारत तीन मैचों में तीन मैच जीतकर छह अंक लेकर शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि अमेरिका के पांच अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर मौजूद है। पाकिस्तान की टीम तीन मैचों में एक जीत और दो हार के साथ दो अंक लेकर तीसरे स्थान पर है और अगर वह अपना अंतिम ग्रूप मैच जीत भी लेती है तो उसके चार अंक ही होंगे।

फोटो: सुमित कुमार

आसमान से बरसी आग तो जंगल के राजा भी हुए बेहाल

जून महीने में गर्मी के तेवर चरम पर हैं, मानों आसमान से आग बरस रही है। ऐसे में आम आदमी के साथ-साथ पशु-पक्षी भी बेहाल हैं। ऐसे में दुधवा नेशनल पार्क में जंगल का सबसे ताकतवर जानवर बाघ भी तेज गर्मी से बेहाल दिखे। बाघों ने गर्मी से बचने के लिए पानी का सहारा लिया।

दिल्ली में नहीं रुक रहा पानी पर सियासी टकरार

आप और बीजेपी में जारी है वार-पलटवार

जलसंकट के समय बीजेपी के सात सांसद कहां हैं : संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राजधानी के जल संकट पर दिल्ली के सात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा सांसदों की चुप्पी पर सवाल उठाया। सिंह ने कहा कि दिल्ली की जनता ने भाजपा के सभी सातों सांसद चुने, फिर भी हरियाणा की पार्टी की सरकार दिल्ली की जनता को सजा दे रही है। आपके सात सांसद कहाँ हैं? सिंह ने कहा, पीने का पानी उपलब्ध कराने से बड़ा कोई दान नहीं है। मैं उन सातों सांसदों से कहना चाहूंगा कि वे हरियाणा और केंद्र से अपील करें और (दिल्ली) एलजी से मिलें और पानी के मुद्दे पर कोई भेदभाव न करें। संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने बीजेपी के सातों सांसद जिताए हैं, उसके बाद भी हरियाणा की बीजेपी सरकार दिल्ली के लोगों को सजा दे रही है।

दिल्ली और हरियाणा बनाए सहमति हमने नहीं रोका पानी : सीएम सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल के पास अपनी जरूरत पूरा करने के बाद जितना भी पानी है, हम उसे देने के लिए तैयार हैं। हिमाचल इस देश का एक भाग है। पानी को रोके जाने का औचित्य ही नहीं है। हिमाचल से जाने वाले पानी ने हरियाणा से होकर दिल्ली तक जाना है। इस संदर्भ में दिल्ली और हरियाणा को आपस में सहमति बनाने की जरूरत है। हिमाचल सरकार समझौते के अनुसार अपना दायित्व निभा रहा है। दिल्ली के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में यह बात की। बता दें कि दिल्ली इस समय गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। देश की राजधानी में चल रहे जल संकट को लेकर हिमाचल और हरियाणा एक दूसरे को जिम्मेदार बता रहे हैं।

पानी की चोरी और बर्बादी रोकने में नाकाम रही केजरीवाल सरकार : बांसुरी स्वराज

नई दिल्ली से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने आप सरकार पर शहर में जल संकट का समाधान करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने वर्तमान स्थिति को, जहां कई क्षेत्र जल संकट से जूझ रहे हैं, प्राकृतिक कारकों का परिणाम नहीं, बल्कि दिल्ली सरकार की निष्क्रियता का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि आईएमडी द्वारा जारी चेतावनियों के बावजूद आप सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। सांसद ने आगे आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने पानी के मुद्दों से निपटने के उपायों को लागू करने में उपेक्षा की, जिससे टैंकर माफियाओं को स्वतंत्र रूप से काम करने की इजाजत मिल गई। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दावा किया कि इसने दोषपूर्ण लाइनों की मरम्मत नहीं की, जिसके कारण लाखों लीटर पानी बर्बाद हो गया।

घर से निकलने से बचें, अभी बरसेगी आसमान से आग

» यूपी में भीषण गर्मी और लू से 26 से ज्यादा की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आसमान से आग बरसाती धूप, चढ़ता पारा, झुलसा देने वाली लू से प्रदेश को फिलहाल राहत मिलती नहीं दिख रही। आज शनिचार को भी मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि जरूरी काम हो तभी घर से निकलें। शुक्र वार को भी भीषण गर्मी रही। इसके चलते बहराइच, बांदा, चित्रकूट और महोबा का एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई।

वहीं, पूर्वांचल के वाराणसी, मिर्जापुर, बलिया, गाजीपुर और कुशीनगर में 21 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने कहा है कि अभी ऐसी ही गर्मी झेलनी होगी। प्रयागराज 46.9 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा। कानपुर में मामूली सा बदलाव रहा, यहां पर तापमान 46.7 और हमीरपुर 46.2 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश के ज्यादातर शहर लू की चपेट में रहे। मौसम विभाग के मुताबिक 17 जून तक प्रदेश का मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के आसार हैं। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। अगले तीन-चार दिनों में मानसून महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, तटीय आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में पहुंचने के आसार हैं।

छत्तीसगढ़ में आठ नक्सली ढेर, एक जवान घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यहां अबूझमाड़ के जंगलों में मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए हैं। मुठभेड़ में एक जवान के घायल होने की भी खबर है। हालांकि, अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अभी मुठभेड़ जारी है।

अबुझमाड़ के जंगलों में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई जारी है। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सीमावर्ती जिलों के साथ मिलकर संयुक्त ऑपरेशन चलाया है। जवानों का संयुक्त ऑपरेशन अबुझमाड़ के कुतुल फरसबेड़ा कोड़तामेटा क्षेत्र में जारी है।

सीएम नीतीश ने बिहार की जनता का स्वाभिमान बेचा : प्रशांत किशोर

» प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छूने पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भागलपुर। राजनीतिक रणनीतिकार और नेता प्रशांत किशोर ने शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला किया। भागलपुर में एक जनसभा में बोलते हुए किशोर ने कहा कि कुमार ने राज्य के लोगों के सम्मान बेच दिया।

नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता में बने रहने के लिए नीतीश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छूने में भी गुरेज नहीं किया। वह उस समय का जिक्र कर रहे थे जब लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सरकार बनाने से ठीक पहले एनडीए संसदीय दल की बैठक के दौरान कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छूने की कोशिश की थी। किशोर ने कहा, नीतीश कुमार ने बिहार के लोगों का स्वाभिमान बेच दिया है।

बदल गए हैं नीतीश कुमार

जन सुराज अभियान चला रहे किशोर ने कहा कि 2014 में नीतीश कुमार जैसे थे और 2024 में वे जैसे हैं, उनमें बहुत अंतर है। उन्होंने यह बात इस सवाल का जवाब देते हुए कही कि जब उन्होंने 2014 में मुख्यमंत्री की मदद की थी तो अब वह कुमार का विरोध क्यों कर रहे हैं। किशोर ने 2015 में जेडी(यू) अध्यक्ष के चुनाव अभियान का प्रबंधन किया था और दो साल बाद औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल हुए थे।

अपने प्रभाव का इस्तेमाल खुद के लाभ के लिए कर रहे हैं सीएम

किशोर ने कहा, मोदी की सत्ता में वापसी में नीतीश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका होने के बारे में काफी चर्चा हो रही है। लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री अपने पद का लाभ कैसे उठा रहे हैं? वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल राज्य के लिए लाभ सुनिश्चित करने के लिए नहीं कर रहे हैं। वह यह सुनिश्चित करने के लिए पैर छू रहे हैं कि 2025 के विधानसभा चुनावों के बाद भी वह भाजपा के समर्थन से सत्ता में बने रहें।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।